अंबे तू है जगदम्बे काली | By Swami Chetnanand Giri |

अंबे तू है जगदम्बे काली
जय दुर्गे खप्परवाली
तेरे ही गुण गावे भारती
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती

तेरे भक्त जनों पर माता
भीड़ पड़ी है भारी
दानव दल पर टूट पड़ो मां
करके सिंह सवारी
सौ सौ सिंहों से बलशाली
माता दस भुजावाली
दुखियों के दुखड़ा निवारती
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती

अंबे तू है जगदम्बे काली
जय दुर्गे खप्परवाली
तेरे ही गुण गावे भारती
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती

मां बेटे का रहा है जग में
बड़ा ही निर्मल नाता
पुत्र कुपुत्र सुने हैं
पर ना माता सुनी कुमाता
सब पर करुणा बरसनेवाली
अमृत बरसनेवाली
दुखियों के दुखड़ा निवारती
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती

अंबे तू है जगदम्बे काली
जय दुर्गे खप्परवाली
तेरे ही गुण गावे भारती
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती

नहीं मांगते धन और दौलत
ना मांगे चांदी सोना
हम तो मांगे मां तेरे दिल
विच छोटा सा कोना
सबकी बिगड़ी बनाने वाली
लाज बचाने वाली
सतियों के धरम निभाती
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती

अंबे तू है जगदम्बे काली
जय दुर्गे खप्परवाली
तेरे ही गुण गावे भारती
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%82%e0%a4%ac%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%9c%e0%a4%97%e0%a4%a6%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ac%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%80-by-swami-chetnanand-gi/